>

Title: Need to set up an Indian Council of Veterinary Reserch.

श्री संतोष गंगवार (बरेली): माननीय उपाध्यक्ष जी, आपके माध्यम से मैं बहुत ही महत्वपूर्ण समस्या की तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। पशुधन में भारत का स्थान विश्व में प्रथम है। पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विज्ञान भारत की अर्थव्यवस्था, ग्रामीण एवं शहरी जनसंख्या के पोषण और स्वरोजगार का महत्वपूर्ण स्थान रखता है। दुग्ध उत्पादन अंडा उत्पादन, मांस उत्पादन एवं कुक्कुट पालन में भारतीय तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। साथ ही दुग्ध उत्पादन में भारत विश्व में प्रथम स्थान रखता है। कृषि द्वारा भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कुल योगदान का 30 प्रतिशत भाग पशुपालन द्वारा दिया जाता है। पशुपालन एवं पशु उत्पादन की विकास दर करीब छ: प्रतिशत से अधिक बढ़ गई है। वर्ड फ्लू जैसी बीमारियों के बावजूद कुक्कुट पालन का विकास 17 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, जबकि कृषि का विकास मात्र दो प्रतिशन पर ठहरा हुआ है। आज भारत के आम किसान, युवा बेरोजगार पशुपालन को जीवनयापन का जरिया बना रहे हैं। पशुपालन खेती के महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में अपना स्थान ले रहा है। जबकि वर्तमान समय में देश की आर्थिक व्यवस्था ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में बेहतर शोध और नये अनुसंधान के लिए भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की तरह भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईवीआरआई़न) व गठन करने की आवश्यकता है।[s5] जो देश और जनहित में जरूरी है। अतः वर्तमान समय में पशुपालन और पशु चिकित्सा विज्ञान के प्रति गम्भीर होने की आवश्यकता है। इसी कारण उच्च स्तरीय एवं तकनीकी समितियों द्वारा भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (आई.सी.वी.आर.) की स्थापना के संदर्भ में हर बार, जोरदार सिफारिश की गई और मैं आपको बताना चाहूंगा कि वर्ष 1996 से 1998 तक, जब मैं संसदीय कृषि स्थाई समिति का अध्यक्ष था, तब भी मैंने सिफारिश की थी कि कृषि से इसे अलग कर के, इस ओर ध्यान दिया जाए, ताकि सरकार के पास लम्बे समय से लम्बित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् से स्वतंत्र, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान परिषद् की स्थापना हो सके। मैं आपके माध्यम से अवगत कराना चाहूंगा और निवेदन करूंगा कि भारत सरकार इस संबंध में अविलम्ब फैसला ले और प्रभावी कार्रवाई करते हुए, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (आई.सी.वी.आर.) के गठन के निर्देश करे, जिससे कि वास्तव में देश के किसान की सही प्रगति हो सके। आपको समय देने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : ठीक है। श्री आलोक कुमार मेहता और डॉ. अरुण कुमार शर्मा, दोनों माननीय सदस्यों को श्री संतोष गंगवार जी द्वारा सदन में उठाए गए विषय से एसोसिएट किया जाता है।

डॉ. अरुण कुमार शर्मा (लखीमपुर) : डिप्टी स्पीकर सर, ...(व्यवधान)

श्री संतोष गंगवार: डॉ. अरुण कुमार शर्मा, वैटरिनरी साइंटिस्ट हैं। वे इस बात को समझते हैं।

उपाध्यक्ष महोदय : डॉक्टर अरुण कुमार शर्मा जी का नौ नंबर है। मैंने उन्हें आपके विषय से एसोसिएट करने की अनुमति दी है। डॉ. अरुण कुमार शर्मा जी, आप बैठिए। जो आप बोलना चाहते हैं, उसके लिए आपको बाद में समय दिया जाएगा।